दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 34 | हरिद्वार | शनिवार, 13 सितम्बर, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मिलावटी कुट्टू आटा बेचने वालों पर शिकंजा

जतिन शर्मा

देहरादून। नवरात्र और त्योहारी सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने उपभोक्ताओं की सेहत को प्राथमिकता देते हुए बड़ा कदम उठाया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफ़डीए) अलर्ट मोड पर आ गया है। विभाग की ओर से प्रदेशभर में कुट्टू के आटे की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। एफ़डीए आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि नवरात्र के दौरान उपवास में व्यापक रूप से प्रयुक्त होने वाले कुट्टू के आटे को अब बिना लाइसेंस और पंजीकरण के नहीं बेचा जा सकेगा। कुट्टू का आटा केवल पैकिंग में ही बेचा जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित व मानक के अनुरूप उत्पाद मिल सके। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। आयुक्त डॉ. कुमार ने एफ़डीए के सभी प्रभारियों, सहायक आयुक्त और अभिहित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नवरात्र अवधि में उपभोक्ताओं द्वारा उपयोजित खाद्य सामग्री - विशेषकर कुट्टू का आटा निर्माण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और विक्रय के दौरान खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 26, नियम 211

और संबंधित विनियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

चरणबद्ध अभियान की कार्ययोजना

पहला चरण : कुट्टू के आटे के भंडारण, संग्रहण, वितरण और विक्रय करने वाले थोक विक्रेता, डिपार्टमेंटल स्टोर और फुटकर विक्रेताओं को चिन्हित किया जाएगा। उनके यहाँ उत्पाद की जांच के साथ-साथ रखरखाव, भंडारण व लेबलिंग की शर्तों पर बैठकें आयोजित होंगी। ये बैठकें नवरात्र से पहले ही संपन्न कर ली जाएंगी।

दूसरा चरण : नवरात्र के प्रारंभ होने से पूर्व और नवरात्र अवधि के दौरान चिन्हित प्रतिष्ठानों का आकस्मिक व सामान्य निरीक्षण किया जाएगा।

कड़े पैकेजिंग नियम

बिना वैध खाद्य लाइसेंस:-पंजीकरण के कुट्टू के आटे का निर्माण, पैकिंग, संग्रह व विक्रय प्रतिबंधित होगा। खुले में बेचे जा रहे कुट्टू के आटे पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और खुले विक्रय को जनस्वास्थ्य के दृष्टिगत हतोत्साहित किया जाएगा। कुट्टू का आटा केवल सीलबंद पैकेट में ही बेचा जाएगा। सीलबंद पैकेट पर पैकिंग तिथि, अवसान तिथि, निर्माता/रिपैकर का पूरा पता, प्रतिष्ठान का नाम और लाइसेंस नंबर अंकित करना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और रिकॉर्ड की निगरानी

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा खाद्य कारोबारी और उपभोक्ताओं को आपूर्ति व विक्रय पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता को कुट्टू के बीज अथवा आटे के क्रय व विक्रय का रिकॉर्ड लिखित रूप में रखना होगा। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

क्विक रिस्पॉन्स टीम और त्वरित कार्रवाई

आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के आईडीएसपी सेल से समन्वय करते हुए कुट्टू के आटे के सेवन से बीमार होने संबंधी सूचनाओं पर क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित की जाए। यह टीम ऐसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करेगी। नवरात्र अवधि में जनपदों से प्राप्त खाद्य नमूनों की जांच खाद्य एवं औषधि विश्लेषणशाला स्तर पर प्राथमिकता से की जाएगी और जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

उपभोक्ताओं की सेहत सर्वोपरि

अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के नेतृत्व में राज्य सरकार त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को सुरक्षित व शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आयुक्त (एफ़डीए) डॉ. आर. राजेश कुमार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभाग ने स्पष्ट रूप से यह संकल्प लिया है कि नवरात्र जैसे पर्वों के दौरान मिलावटी, घटिया या असुरक्षित खाद्य सामग्री की बिक्री को हर हाल में रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं बल्कि एक समन्वित, चरणबद्ध व सख्त कार्रवाई है, जिसमें निर्माण, पैकिंग, भंडारण, वितरण से लेकर फुटकर विक्रय और ऑनलाइन आपूर्ति तक हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी। विभागीय टीमें मिलावटी उत्पादों की पहचान, नमूना परीक्षण, आकस्मिक निरीक्षण और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई के लिए 24म7 अलर्ट मोड में रहेंगी। जग्गी ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन करने वाले बड़े या छोटे किसी भी कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं मिलावटी या संदिग्ध खाद्य सामग्री की बिक्री का संदेह हो तो तत्काल विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर सेवा पखवाड़ा मनाने की तैयारी

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर सेवा पखवाड़ा मनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यह पखवाड़ा मनाया जाएगा। शुक्रवार को भाजपा मंडल वीरभद्र की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सिर्फ पखवाड़ा कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यशाला में क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने आगामी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के दिन ब्लड डोनेशन कैंप सहित कई सेवा कार्यों की शुरुआत होगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, नारी सम्मान जैसे विविध जन सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की सेवा पखवाड़ा के सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन की योजनाओं और कार्य पद्धति की भी जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र राणा, हिमांशु भट्ट, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, रोहित भारद्वाज, सुमन रावत, मनोरमा, विपिन पंत, संजय ध्यानी, विमल नेगी, बसंती शर्मा, राहुल कश्यप, दिनेश बिष्ट, भुवन चंद फुलारा आदि उपस्थित रहे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

रामलीला भवन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, जनता ने जताया आभार

जतिन शर्मा

हरिद्वार। हरिद्वार के भीमगोडा रामलीला भवन में एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उज्जवल सपने एनजीओ के द्वारा एक निशुल्क स्वास्थ्य एवं कैंसर एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में निशुल्क चिकित्सा परामर्श किया गया। कैंसर जैसी बीमारी पर विशेष रूप से चेकअप किया गया और लोगों को जागरूक किया गया। शिविर में ईएनटी का मुफ्त जांच, बीपी जांच, शुगर की जांच व स्त्री रोग रोग, कैसर की जांच, व दांतो की सम्पूर्ण जाँच, गंगा प्रेम हॉस्पिटल, सीमा डेंटल कॉलेज ऋषिकेश और राजीव गांधी कैंसर संस्थान नई दिल्ली के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य सेवा लाभ दिया गया। राजीव गांधी कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर चरणजीत सिंह, डॉक्टर ज्योति जैन, डॉक्टर आशीष व सीमा डेंटल के डॉक्टर अविनाश सिंह

दोनों संस्थाओं के निर्देशन में 3 से 35 चिकित्सा कर्मियों द्वारा 4 से अधिक मरीजों का आधुनिक उपकरणों से इलाज किया गया एवं आवश्यकता अनुसार निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। इस अवसर पर उज्जवल सपने एनजीओ संस्था की अध्यक्ष पारूल कटियार, सचिन राजकमल, संयोजक सुनील शर्मा व विनोद कोचर, विनीता कोचर, कमला माता व सदस्य गण ने इस शिविर में अपना विशेष योगदान दिया। उपस्थित जन का संबोधन करते हुए अध्यक्ष पारूल कटिहार ने कहा कि उज्जवल सपने एनजीओ द्वारा ऐसे शिविर जगह जगह आयोजित किए जा रहे हैं और आमजन मानस को बीमारियों से मुक्त करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं।

सम्पादकीय

हिन्दी को समझे

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

साहित्य मातृभाषा का सबसे उज्ज्वल रूप है। हिन्दी और भारतीय साहित्य की अनेक कृतियाँ समाज और राष्ट्र की चेतना को गढ़ती रही हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र की भारत दुर्दशा राष्ट्रीय स्वाभिमान जगाती है, मैथिलीशरण गुप्त की साकेत त्याग और आदर्श का संदेश देती है, महादेवी वर्मा की यामा करुणा और संवेदनशीलता को प्रकट करती है, और सुभद्राकुमारी चौहान की कविताएँ आज भी राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करती हैं। बच्चन की मधुशाला जीवन के दर्शन को सहजता से सामने रखती है, तो दिनकर की रश्मिरथी संघर्ष और वीरता की प्रेरणा देती है। ये कृतियाँ केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और आत्मगौरव की धरोहर हैं। आज की पीढ़ी तकनीक और तेज़ जीवनशैली में उलझी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल ने सुविधा तो दी है, लेकिन संवेदनशीलता और संस्कृति से जुड़ाव कहीं न कहीं कम हुआ है। ऐसे समय में मातृभाषा और साहित्य ही वह ज्योति हैं, जो आत्मा को ऊष्मा और जीवन को दिशा देती हैं।

लक्सर में हुए बवाल की हो निष्पक्ष जांच

रुड़की। लक्सर के डूमनपुरी गांव के पास आठ सितंबर को वाहन की टक्कर से हुई गाय की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ था। मामले में पुलिस ने विधायक उमेश कुमार समेत 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में गुरुवार को ब्राह्मण महासभा ने प्रेसवार्ता कर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। गुरुवार को रुड़की के एक होटल में प्रेसवार्ता के दौरान सभा के अध्यक्ष प्रदम प्रकाश शर्मा ने उस दिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा इस घटना को धार्मिक रूप देने का भी प्रयास किया गया।

स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि पर हरिद्वार में रक्तदान शिविर आयोजित

हरिद्वार। अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि पर हरिद्वार के धूम सिंह मेमोरियल स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रानीपुर विधायक आदेश चौहान की उपस्थिति में रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने पंजाब केसरी समूह नवोदय टाइम्स को शुभकामनाएं दी और रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए उपस्थित गामान्यों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान बहुत बड़ा दान है क्योंकि यह दान करने वाले को यह नहीं पता होता कि यह किस व्यक्ति के काम आएगा यह, निस्वार्थ भाव से कि गई सेवा है। विशिष्ट अतिथि महापौर किरण जैसल ने कहा की रक्त वीरों द्वारा दिया जाने वाला रक्त अतुल्य है समाज सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। डॉ विशाल गर्ग ने कहा कि युवाओं में रक्तदान के लिए जागरूकता दिख रही है। समय के साथ साथ युवाओं की सोच बेहतर हो रही है और युवाओं में रक्तदान करने की सोच विकसित हो रही है। स्कूल के चेयरमैन मुकुल चौहान ने कहा कि हमारे स्कूल में रक्तदान शिविर आयोजित करना हमारे स्कूल को विशेष सम्मान देने जैसा है, शिविर में स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी रक्तदान किया है। कहा कि रक्तदान करने वाले लोग सबसे बड़े दानी है। मां गंगे ब्लड बैंक समूह ने सहयोग कर लिया रक्तवीरों का रक्त जिसमें एनएस नेगी, संदीप गोस्वामी, कार्तिक राजपूत, प्रभु कुमार, उजाला, शालिनी उपस्थित रहे। रक्तवीर रेखा, नितिन शर्मा, मुकुल नामदेव, मानसिंह, नवीन सिंह, अशोक कुमार, महिपाल चौधरी, अनस, नीरज सिंह, तुषार, सुनील कुमार, दीपक चौहान, हर्षित, शिखा अरोड़ा, गौरव भट्ट, गौरांश, आर्यन, दीपक धीमन, आदित्य, कपिल अरोड़ा, हर्ष, संतोष कुमार, आदित्य, मनीष, अकरम अंसारी, राजकुमार, राजीव जोशी, बिलाल, दीपक, सतीश कुमार, विजयपाल सिंह, मोहम्मद आजम ने शिविर में रक्तदान किया।

एम्स के टेलिमेडिसिन स्वास्थ्य शिविर में 150 रोगियों का हुआ परीक्षण

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। एम्स के तत्वावधान में रेल विकास निगम लि. के अंतर्गत ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना में कार्यरत कर्मचारियों, श्रमिकों एवं उनके परिजनों के लिए दो दिवसीय वृहद स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 15 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में सामान्य रोगों के साथ साथ मधुमेह, हाईपरटेंशन और डस्ट स्किन संक्रमण आदि के मरीज पाए गए। शिविर के माध्यम से कई मरीजों को टेलिमेडिसिन के माध्यम से भी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। एम्स निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान की ओर से 9 व 1 सितंबर को ऋषिकेश -कर्णप्रयाग रेल परियोजना से जुड़े कार्मिकों, श्रमिक एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड (आर वी एन एल) की साइट पैकेज-वन में टेलिमेडिसिन वैन के माध्यम से स्वास्थ्य जांच एवं उपचार कैंप लगाया गया। शिविर में एम्स,ऋषिकेश के टेलिमेडिसिन सेवा से जुड़े चिकित्सक डॉ. विवेक मलिक, डॉ. ख्याति गुप्ता एवं जनरल मेडिसिन के सीनियर रेजिडेंट डॉ. रंगनाथ ने मरीजों का सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया। संस्थान के पीपीएस विनीत कुमार एवं टेलीमेडिसिन के प्रशासनिकअधिकारी ने बताया कि शिविर में ईएनटी, एंडो, डर्माटोलॉजी, डायबिटिक, हाईपरटेंशन, गैस्ट्रो, कॉडियोलॉजी, मनोरोग आदि गंभीर किस्म की बीमारियों से ग्रसित मरीजों को एम्स, ऋषिकेश की टेलिमेडिसिन सेवा के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भी परामर्श दिया गया। साथ ही कई गंभीर बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों को एम्स,ऋषिकेश की नियमित ओपीडी में भी नियमित जांच कराने की सलाह दी गई। बताया गया कि मरीजों को समय समय पर टेलिमेडिसिन सेवा के माध्यम से भी चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। शिविर के आयोजन में एम्स टेलिमेडिसिन सेवा विभाग के प्रतिनिधि शुभम सेंगल, धीरज आदि ने भी सहयोग प्रदान किया।

केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के केंद्रीय अंश के रूप में राज्य को जारी किए 455 करोड़ 6लाख रुपए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जताया प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का आभार

जतिन शर्मा

देहरादून। केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड (एसडीआरएफ) के केंद्रीय अंश के रूप में वित्तीय वर्ष 225-26 के लिए 455 करोड़ 6लाख रुपए की धनराशि अग्रिम तौर पर जारी की है। उक्त धनराशि 15वें वित्त आयोग की संस्तुति के अनुसार की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस राशि को उत्तराखंड में आपदा राहत कार्यों में खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड को हर मुश्किल समय में सहारा प्रदान किया है, इसके लिए उत्तराखंड की जनता प्रधानमंत्री का विशेष तौर पर आभारी है।

पर्यायवरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण अवश्यक रूप से करें

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

डीएम दीक्षित ने राइंकॉ सलेमपुर महदूद का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज राजकीय इंटर कॉलेज सलेमपुर महदूद का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कॉलेज में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की जानकारी के साथ ही आज उपस्थित हुए छात्र छात्राओं की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्र छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए,सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए कड़ी मेहनत एवं परिश्रम से पठन पाठन का कार्य कराया जाए,इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने संचालित हो रही क्लास रूमों का भी निरीक्षण कर छात्राओं से उन्हें पढ़ाए जा रहे पाठ्य

क्रम के बारे में भी प्रश्न पूछे गए।जिलाधिकारी ने सभी छात्र छात्राओं से पढ़ाई पर विशेष ध्यान रखने तथा लग्न एवं कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत एवं परिश्रम से ही लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी छात्र छात्राओं के बीच बैठकर मिड डे मिल भोजन की गुणवत्ता को भी परखा तथा छात्र छात्राओं से उपलब्ध कराए जा रहे मिड डे मिल की गुणवत्ता की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रधानाचार्य एवं भोजन माताओ को निर्देश दिए है कि बच्चों के खाने की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए इसका विशेष ध्यान रखा जाए साथ ही निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही छात्र छात्राओं को भोजन उपलब्ध कराया जाए,उन्होंने भोजन बनाते समय साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि क्लास रूमों के बाहर संचालित क्लास रूमों की पट्टी नहीं लगाई गई है जिसके लिए उन्होंने प्रधानाचार्य को सभी क्लास रूमों में पट्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए ही कि कॉलेज के कक्षा कक्षों का जो भी मरम्मत कार्य किया जाना है एवं फर्नीचर की अवश्यकता है तो उसके लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कॉलेज एवं छात्र छात्राओं की सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी ने चार दिवारी बनाए जाने हेतु 2 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृती भी प्रधान की गई। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए है कि छात्र छात्राओं के शौचालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए एवं जिन शौचालय में मरम्मत कार्य किया जाना है उन शौचालय के मरम्मत कार्य करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कॉलेज की पानी की टंकियों को भी साफ रखने के निर्देश दिए जिससे कि छात्र छात्राओं को पीने के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र द्विवेदी ने कॉलेज में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई, उन्होंने अवगत कराया कि कॉलेज में कुल अध्ययनरत छात्रों की संख्या 911 है जिसमें छात्रों की संख्या 398 तथा छात्राओं की संख्या 513 है। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी,प्रभारी जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह,प्रधान प्रतिनिधि पप्पू सिंह पाटिल सहित शिक्षक शिक्षिकाएं,कर्मचारी छात्र छात्राएं आदि मौजूद रहे।

राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के जर्जर भवन का एक हिस्सा भर भराकर गिरा

रुड़की। राजड्डकीय आयुर्वेदिक अस्पताल भवन का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया है। हालांकि, जो हिस्सा गिरा है। उसका इस्तेमाल नहीं हो रहा था, लेकिन इस हिस्से के गिरने से अब अस्पताल भवन पर खतरा बढ़ गया है। पूरा भवन ही जर्जर हो चुका है। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। पुरानी तहसील में पुलिस चौकी के बराबर में राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल है। अस्पताल का भवन ब्रिटिशकाल का बना हुआ है। भवन बेहद पुराना होने की वजह से जर्जर हो चुका है। जर्जर भवन के कारण कुछ ही हिस्से में अब अस्पताल संचालित हो रहा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से लगातार अस्पताल के नए भवन की मांग की जा रही है। भवन के जर्जर होने की वजह से अस्पताल के आवासीय भवन गिर चुके है। अस्पताल भवन पार्क वाली साइड एक बड़ा हिस्सा और गिर गया है। हालांकि, इस हिस्से में अस्पताल संचालित नहीं था। जिसके कारण कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले पुलिस चौकी की ओर वाला एक हिस्सा गिर गया था। अस्पताल भवन के हिस्से भरभराकर गिर रहे है। जिससे अब अस्पताल भवन के उस हिस्से पर भी खतरा मंडरा रहा है। जिसमें अस्पताल की ओपीडी, डिस्पेंसरी और वार्ड आदि संचालित है। पूरा भवन बारिश में टपकता है। अस्पताल स्टाफ की ओर से लगातार नए भवन की मांग की जा रही है। अस्पताल के आसपास निवास करने वाले सुधीर कुमार, राकेश कुमार, दिलीप, रोशन आदि का कहना है कि अस्पताल का भवन बेहद जर्जर हो चुका है। कभी यह भवन भरभराकर गिर सकता है। जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे है। अस्पताल के जर्जर होने की वजह से यहां मरीज भी कम ही आते हैं। अस्पताल भवन का जो हिस्सा गिरा है।

स्कूल में जांच करने पहुंची टीम के सामने ग्रामीणों का हंगामा

रुड़की। भंगेड़ी महावतपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में दो शिक्षिकाओं के बीच चल रहे विवाद की जांच करने पहुंची तीन सदस्यीय टीम के सामने ही ग्रामीणों ने हंगामा खड़ा कर दिया। ग्रामीणों ने टीम के सामने एमडीएम कक्ष खुलवाने की मांग की। कक्ष खोलने पर वहां एमडीएम की मात्रा कम मिलने पर भी सवाल खड़े हुए। वहीं, हंगामे के बीच जांच टीम को आधी कार्रवाई के बीच ही वापस आना पड़ेगा। रुड़की ब्लॉक के भंगेड़ी महावतपुर गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिकाओं के बीच कुछ दिनों से विवाद चला आ रहा है। दोनों शिक्षिकाएं एक-दूसरे पर अनेक आरोप लगा रही हैं। इन आरोपों की जांच के लिए बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। गुरुवार को कमेटी मामले की जांच के लिए स्कूल पहुंची। जांच टीम के स्कूल पहुंचते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने स्कूल की बिगड़ी व्यवस्थाओं को लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने मौके पर एमडीएम कक्ष खुलवाने की मांग की। टीम ने लोगों की मौजूदगी में एमडीएम कक्ष का ताला खोला तो यहां पर चावल की मात्रा कम मिली। इस पर ग्रामीण विशाल, रविन्द्र कुमार, सैयद, सोनू, राजकुमार, विजय, शमीम आदि ने आरोप लगाया कि स्कूल का माहौल खराब होता जा रहा है। बच्चों को एमडीएम पूरी मात्रा में नहीं दिया जा रहा। लोगों के हंगामे के बीच कमेटी जांच नहीं कर पाई। कमेटी में शामिल कमलेश पंवार, अर्चना शुक्ला और ताजीम अली ने बताया कि दोनों शिक्षिकाओं के बीच काफी मतभेद हैं, जिसके लिए दोनों अध्यापिकाओं के लिखित में बयान लिए गए हैं। भोजनमाता और एसएमसी अध्यक्ष के भी बयान लिए गए हैं। विद्यालय का शैक्षिक वातावरण ठीक नहीं है। अभी जांच के पूरी होने में समय लगेगा। उसके बाद रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को दी जाएगी।

नगर निगम ने शहर की सड़कों से हटाया अतिक्रमण

रुड़की। नगर निगम ने बीटी गंज बाजार समेत अन्य जगहों पर गुरुवार शाम को अतिक्रमण हटाया। टीम ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का सामान जब्त कर लिया। जबकि, कई दुकानदारों ने सामान हटा लिया था। नगर निगम के कर्मचारियों और दुकानदारों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। टीम ने करीब 2 दुकानदारों के चालान काटे। अतिक्रमण ने शहर के बाजारों की सूरत बिगाड़कर रख दी है। फुटपाथ समेत आधी रोड दुकानदारों ने घेरी है। इसके चलते बाजार में चलना भी मुश्किल हो गया है। वहीं, बार-बार जाम लगने से लोगों को परेशानी होती है। इसको लेकर लोग लगातार नगर निगम और जिला प्रशासन से शिकायत कर रहे थे। जिसके चलते गुरुवार शाम को नगर आयुक्त राकेश चंद तिवारी, राजस्व अधिकारी एसपी गुप्ता, कर अधीक्षक गिरीश चंद सेमवाल कर्मचारियों और पुलिस टीम के साथ बीटी गंज पहुंचे। टीम के साथ जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली भी थी। टीम को देख सड़कों पर दुकान लगाकर बैठे लोगों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत ही सामान समेटना शुरू कर दिया। साथ ही स्थायी दुकानदारों ने भी फुटपाथ से सामान हटाना शुरू कर दिया। प्रशासन की टीम ने भी सामान जब्त करना शुरू किया। इस दौरान दुकानदारों और निगम के अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई, लेकिन टीम के साथ उनकी चली। टीम ने 1 से अधिक दुकानों के बाहर रखे बोर्ड और सामान को जब्त किया। साथ ही अतिक्रमण करने वाले 2 दुकानदारों के चालान काटे। टीम बीटी गंज से अतिक्रमण हटाते हुए आर्य कन्या इंटर कॉलेज के बाहर से होते हुए नेहरू स्टेडियम पहुंची।

सच्ची विरासत संपत्ति नहीं, बल्कि वे संस्कार हैं जो हर परिस्थिति में सहारा देते हैं : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती विदेश यात्रा के पश्चात भारत पधारे। विगत पांच सप्ताह से वे विदेश की भूमि पर भारतीय संस्कृति, योग, अध्यात्म और जीवन-मूल्यों की दिव्य गंगा प्रवाहित कर रहे थे। जहाँ-जहाँ भी वे गए, वहाँ भारतीय संस्कृति की सुगंध और सनातन मूल्यों का संदेश प्रसारित किया। आज इन्दौर में टीएएलइएस एवं ईओ परिवार द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम उद्देश्यपूर्ण हस्तांतरण-पीढ़ियों के मध्य ज्ञान, मूल्य और विरासत के संग सेतु निर्माण'' में उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल व्यवसाय और उत्तराधिकार तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन को अर्थपूर्ण बनाने वाली उस परंपरा को आगे बढ़ाना है, जिसमें ज्ञान, संस्कार और सेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाई जाए। स्वामी जी ने अपने पावन संदेश में कहा कि वास्तविक विरासत धन नहीं, बल्कि संस्कार और मूल्य हैं। जब बुजुर्गों का अनुभव और युवाओं का उत्साह एक साथ आता है तो परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने आह्वान किया

कि हर परिवार अपनी अगली पीढ़ी को केवल संपत्ति ही नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और आध्यात्मिक दृष्टि की अनमोल धरोहर भी सौंपे। आज की दुनिया तेज रफ्तार, नवाचार और निरंतर परिवर्तन से युक्त है। प्रतिस्पर्धा और प्रगति के इस दौर में अक्सर यह प्रश्न उठता है कि जीवन और व्यवसाय दोनों में स्थायी मूल्य, शाश्वत ज्ञान और उद्देश्यपूर्ण दृष्टि को हम कैसे जीवित रखें? यह केवल आर्थिक सफलता का विषय नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को वह अमूल्य धरोहर देने का भी प्रश्न है जो जीवन को अर्थपूर्ण और पूर्ण बनाती है। इन्हीं विचारों पर प्रकाश डालने के लिए स्वामी चिदानन्द सरस्वती एक विशेष संवाद का नेतृत्व किय। यह सत्र न केवल परिवारों और उद्यमियों के लिए, बल्कि उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है जो मानते हैं कि जीवन केवल अर्जन और उपभोग तक सीमित नहीं है, बल्कि साझा मूल्यों और उद्देश्य से प्रेरित एक सतत यात्रा है। हर युग में यह प्रश्न रहा है कि पुरानी और नई पीढ़ियों के बीच की खाई को कैसे पाटा जाए। वृद्धों के अनुभव और ज्ञान के साथ युवाओं का उत्साह और ऊर्जा जब ये दोनों एक साथ आते हैं तो न केवल परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र भी नई ऊँचाइयों को छूता है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि भारतीय संस्कृति में परिवार केवल संस्था नहीं, बल्कि जीवन का विश्वविद्यालय है। दादा-दादी, माता-पिता और बच्चे साथ बैठें तो वह अतीत, वर्तमान और भविष्य का दिव्य मिलन होता है। यही मिलन जीवन की सबसे सुंदर तस्वीर रचता है। हर पीढ़ी को अगली पीढ़ी को मशाल सौंपनी होती है यह मशाल धन की नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और उद्देश्य की होनी चाहिए। परिवार पहली पाठशाला है। दादा-दादी अनुभव और नैतिकता सिखाते हैं, माता-पिता त्याग और जिम्मेदारी का संस्कार देते हैं, और बच्चे मासूमियत व ऊर्जा से जीवन को जीवंत बना देते हैं। मनुस्मृति कहती है, तीन पीढ़ियों का साथ कुल-समृद्धि का प्रतीक है। बुजुर्ग अनुभव और आशीर्वाद, मध्यम पीढ़ी श्रम और उत्तरदायित्व और युवा पीढ़ी ऊर्जा और भविष्य का प्रतीक है। सच्ची विरासत संपत्ति नहीं, बल्कि वे संस्कार हैं जो हर परिस्थिति में सहारा देते हैं। स्वामी जी ने कहा कि परिवार अपनापन से चलता है और व्यवसाय विश्वास से। दोनों में पारदर्शिता और संवाद ही स्थिरता लाते हैं। अंततः, धन क्षणभंगुर है, लेकिन संस्कार शाश्वत धरोहर हैं। यही रोशनी परिवार, समाज और राष्ट्र को आलोकित करती है। स्वामी जी ने कहा कि विरासत केवल संपत्ति और व्यवसाय तक सीमित नहीं है। वास्तविक विरासत वे संस्कार, मूल्य और परंपराएँ हैं जो हमें जीवनभर दिशा देते हैं। उत्तराधिकार और नेतृत्व के क्रम में आध्यात्मिक मूल्य हमें स्थिरता और नैतिक दृष्टि प्रदान करते हैं। व्यवसाय केवल लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि समाज को लौटाने का माध्यम भी होना चाहिए। व्यवसायी और उद्यमी केवल आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय संतुलन को भी अपनी प्राथमिकता बना सकते हैं। इस दिव्य कार्यक्रम का आयोजन तपन अग्रवाल, अदीति, अनुज राठी, नितेश शाहरा, माधुरी शाहरा, मनीष शाहरा जी एवं सम्पूर्ण ईओ परिवार द्वारा किया गया। ईओ परिवार, जिसकी शाखाएँ पूरे भारत में हैं, सभी शाखाओं के पदाधिकारियों ने इसमें सहभाग किया। व्यापार जगत में सफलता प्राप्त करने के बाद जीवन में प्रसन्नता एवं संतुलन बनाए रखने हेतु ईओ परिवार पूर्ण रूप से संलग्न है।

सोलानी एक्वाडक्ट पर लगी ४० स्ट्रीट लाइट गायब

रुड़की।सोलानी एक्वाडक्ट पर लगी करीब 8 स्ट्रीट लाइट गायब हैं। जिससे दिन ढलते ही यहां पर अंधेरा छा जाता है। इससे यहां शाम के समय घूमने आने वाले लोगों को दिन ढलने से पहले ही जाना पड़ता है। सोलानी एक्वाडक्ट जब बना था तो तब यहां रात के समय जगमग रहता था। जिससे इसकी खूबसूरती और ज्यादा बढ़ जाती थी। लोग शाम को यहां घूमने आते थे, लेकिन यहां लगी स्ट्रीट लाइट एक-एक कर खराब हो गईं। साथ ही कुछ लाइटें चोरी हो गईं। कई स्ट्रीट लाइटों को तोड़ दिया गया। जिसके चलते अब स्थिति यह है कि सोलानी एक्वाडक्ट पर लगी सभी स्ट्रीट लाइट बंद हैं। इसमें अधिकांश स्ट्रीट लाइट गायब हैं। ऐसे में दिन ढलते ही यहां अंधेरा छा जाता है। अनिल सैनी, विवेक शर्मा, जीवन सिंह, महेश शर्मा का कहना है कि शहर में घूमने के लिए कुछ ही जगह है। जिसमें सोलानी एक्वाडक्ट भी शामिल है। यहां भी लोग काफी संख्या में आते है, लेकिन स्ट्रीट लाइट की कोई व्यवस्था न होने की वजह से यहां दिन ढलते ही अंधेरा छा जाता है। जिससे लोग यहां शाम के समय घूम नहीं पाते है। नगर निगम के नगर आयुक्त राकेश चंद तिवारी ने बताया कि स्ट्रीट लाइट खरीदे जाने की प्रक्रिया चल रही है।

सीवर का बहता पानी गंगा को कर रहा प्रदूषित, बीमारियों को दे रहा निमंत्रण

जतिन शर्मा

हरिद्वार। गांव और शहरों में नमामि गंगे इकाई जो कि गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए करोड़ों के बजट को राज्य में गंगा स्वच्छता अभियान के तहत लगा रहे हैं। %नमामि गंगे कार्यक्रम% राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एक एकीकृत संरक्षण मिशन है जिसे केंद्र सरकार द्वारा फ्लैगशिप कार्यक्रम के रूप में अनुमोदित किया गया। जगह-जगह सीवर लाइन निर्माण कार्य चल रहा है वही बारिश के चलते जगह जगह लोग गड्ढे में गिरकर चोटिल हो रहे हैं आए दिन कार्य करने वाली संस्थाएं और लोगों में विवाद-झगड़े सामने आ रहे हैं जिससे जनप्रतिनिधियों का कार्यभार व नैतिक जिम्मेदारी बढ़ गई है। उत्तरी हरिद्वार से लगे ग्रामीण क्षेत्र हरिपुर कलां में सीवर लाइन बिछाने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है वही साथ-साथ एक निजी कम्पनी फाइबर लाइन बिछाने का कार्य भी तीव्रता से चल रहा है जिसके लिए दिन-रात जेसीबी से सड़कों की खुदाई करते हुए कार्य किया जा रहा है। प्रेमलाल शर्मा, सुनील जुगलान, संजीव चौहान, दीपक सिंह, विक्रांत भारद्वाज, अनिल बहुखंडी सहित ग्रामीण लोगों ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों की लापरवाही से हो रहे कार्यों के कारण बहुत से लोग चोटिल हो चुके हैं किसी स्कूटी का पहिया फिसल रहा है तो किसी गाड़ी का पहिया गड्ढे में फस जा रहा है। कहीं बच्चे स्कूल जाने से वंचित है तो कहीं कार्य करते हुए लापरवाही से सीवर लाइन और पानी की लाइन को जगह जगह तोड़ दिया जा रहा है और समय पर न जोड़ने से लोग परेशान हैं, ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में समस्या उत्पन्न हो रही है। हरिपुर कला के बिरला फार्म चौक पर फाइबर की केबल बिछाते हुए ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे कार्य में लापरवाही के करण कुछ ऐसा हुआ जिससे कई दिन तक सीवर का पानी सड़कों पर बहता रहा। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि हरिपुर कला का मुख्य मार्ग मल गंदगी से भर गया और इतने बड़े आबादी क्षेत्र में मलजल बीमारियों को खुला निमंत्रण दे रहा है, संबंधित विभागों के अधिकारी को बुलाया जा रहा है लेकिन प्रतिनिधियों का आरोप है कि संबंधित विभाग और इकाइयां जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। दवाई का छिड़काव करने की आवश्यकता है। ग्रामीण लोगो ने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र को सीवर की समस्या के कारण उत्पन्न होने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कर गुहार लगाई। ग्राम प्रधान सविता शर्मा, बीडीसी लक्ष्मी जुगरान, बीडीसी पूजा गवाडी, बीडीसी मितिका शर्मा सहित ग्राम पंचायत सदस्य बबीता चौहान, प्रतिमा शर्मा, दीपक सिंह,

सुभाष जुगलान, मुकेश कंडवाल, मनोज शर्मा, आशीष कुकरेती, सूरज सुंदरियाल, वैभव अरोड़ा, मोनिका रावत, प्रीति बहुखंडी, सविता कुकरेती, लक्ष्मी यादव, ममता पासवान, रुचि पाल के विरोध प्रदर्शन के कारण अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया गया, जनता में रोष होने के कारण जनप्रतिनिधियों ने संबद्ध इकाइयों के अधिकारियों को कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के सीवर लाइन, पीने के पानी के लाइन तोड़े जा रहे हैं बहुत से कनैक्शन भूमिगत होने के कारण बहुत देर से पता चल रहा है कि भूमिगत सीवर लाइन के पुराने पाइप भी गायब मिले, जिससे लोगों में रोष बढ़ रहा है। प्रतिनिधियों से क्षेत्र निवासियों का कहना है कि इन समस्याओं को समाधान शीघ्र किया जाना अति आवश्यक है। सुनील जुगलान ने निर्माण कार्य में लगाए जाने वाले मैटीरियल की गुणवत्ता पर और मानक पूरे ना होने पर भी सवाल उठाए, जिसको संबंधित विभाग मौके पर आकर नहीं देख रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com